BSES

28 लाख उपभोक्ताओं से बीएसईएस की अपीलः

अर्थ आवर मनाएं, गैरजरूरी लाइट्स व उपकरण ऑफ रखें

- शनिवार, 31 मार्च को रात 8:30 से 9:30 के बीच दुनियाभर में मनाया जाएगा अर्थ आवर

नई दिल्लीः 28 मार्च, 2011। आगामी शनिवार, 31 मार्च को अर्थ आवर के दौरान अधिक से अधिक बिजली बचा कर आप दिल्ली को *अर्थ आवर चैंपियन सिटी* बना सकते हैं। इस बार अर्थ आवर के लिए बड़े शहरों के बीच एक प्रतियोगिता रखी गई है। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले शहर हैं– दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नै, हैदराबाद और बेंगलुरू। जो शहर अर्थ आवर के दौरान सबसे अधिक बिजली बचाएगा, उसे *अर्थ आवर चैंपियन* घोषित किया जाएगा।

पिछले कुछ सालों से, दिल्ली अर्थ आवर के दौरान सर्वाधिक बिजली बचाती रही है। अगर दिल्ली के नागरिक इस बार भी समुचित प्रयास करते हैं, तो अर्थ आवर चैंपियन का खिताब दिल्ली की झोली में आ सकता है।

बीएसईएस ने अपने 28 लाख उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे शनिवार, 31 मार्च को अर्थ आवर मनाएं और रात 8.30 से 9.30 बजे के बीच स्वेच्छा से अपने घरों व दफ्तरों की गैरजरूरी लाइट्स व उपकरण बंद रखें। बीएसईएस खुद भी दिल्ली में 950 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले अपने 400 से अधिक ऑफिसों में अर्थ आवर के दौरान गैर जरूरी लाइट्स को ऑफ रखेगी। इस बार, क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर और कोलावेरी डी फेम धनुष भी अर्थ आवर को प्रमोट कर रहे हैं।

गौरतलब है कि 2011 में अर्थ आवर के दौरान दिल्ली ने 300 मेगावॉट (बीएसईएस इलाके में 181 मेगावॉट) बिजली बचाई थी। 2010 में दिल्ली के लोगों ने 350 मेगावॉट (बीएसईएस इलाके में 173 मेगावॉट) बिजली की बचत की थी। यानी पिछले दो सालों में दिल्लीवालों ने कुल 650 मेगावॉट बिजली बचाई। इतनी बिजली को उत्पादन करने में 32, 50, 000 टन कोयला जलाना पड़ता, जिससे प्रदूषण और ज्यादा फैलता।

अर्थ आवर मुहिम को सफल बनाने के लिए बीएसईएस तमाम कोशिशें कर रही है। कंपनी ने अपने बिजली बिलों के साथ भेजे गए न्यूज लेटर *सिनर्जी* के माध्यम से अपने उपभोक्ताओं से अर्थ आवर में सहयोग देने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, उपभोक्ताओं को अर्थ आवर से संबंधित एसएमएस भेजे जा रहे हैं। ईमेल के माध्यम से भी अर्थ आवर का संदेश फैलाने की कोशिश की जा रही है। अपने ऑफिसों में बीएसईएस ने अर्थ आवर से संधित पर्चे व पोस्टर आदि लगाए हैं, ताकि लोगों के बीच जागरूकता आए। रेजिडेंट्स वेलफेयर असोसिएशनों के साथ बैठकें की गईं, जिनमें असोसएशनों के प्रतिनिधियों को अर्थ आवर के बारे में बताया गया। बीएसईएस ने अपने सभी कंप्यूटर–डेस्कटॉप पर अर्थ आवर का मैसेज डाला है। एफएम रेडियो के अलावा बीआरपीएल/वीवाईपीएल कॉल सेंटरों पर भी अर्थ आवर के संदेश प्रसारित किए जा रहे हैं। साथ ही, बीएसईएस वेबसाइट व इंट्रानेट पर भी अर्थ आवर का संदेश दिया गया है। बीएसईएस वेबसाइट पर अब तक 63 लाख 82 हजार लोग गए हैं।

बीवाईपीएल के सीईओ श्री रमेश नारायणन के मुताबिक– बीएसईएस अपने कार्यकलापों में पर्यावरण को खास महत्व देती रही है। अर्थ आवर, बेहतर जीवन की दिशा में उठाया गया कदम है। पर्यावरण और उर्जा संरक्षण के लिए हमने रीप सिस्टम शुरू किया है और कम बिजली की खपत करने वाले एलईडी व सीएफएल जैसे उत्पादों को भी हम कम कीमत में समय–समय पर उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराते रहते हैं।

बीआरपीएल के सीईओ श्री गोपाल सक्सेना के अनुसार– हमें स्वच्छ, प्रभावी और सस्ते उर्जा विकल्पों के बारे में सोचना होगा। अर्थ आवर ऐसे बदलावों की तरह है, जिन पर लोग आसानी से अमल कर सकते हैं। बात सिर्फ एक घंटे तक बिजली बंद रखने की नहीं है, बल्कि इससे कहीं आगे की सोच रखने का मामला है। हममें से हर किसी के पास बदलाव लाने की क्षमता है। हमें वह लक्ष्य पाने की दिशा में काम करना चाहिए, जिस दिन अर्थ आवर की जरूरत ही न पड़े।

अर्थ आवर, डब्लूडब्लूएफ (वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर/ वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड) का सालाना कार्यक्रम है, जिसके तहत दुनियाभर के लोगों से अपील की जाती है कि वे जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, अपने घरों, बिजनेस स्थलों पर गैरजरूरी लाइट्स और बिजली चालित उपकरणों को तय समय के दौरान बंद रखें। इस बार भी पूरी दुनिया में अर्थ आवर सेलिब्रेट किया जा रहा है। पिछले कुछ सालों से बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं के बीच बड़े पैमाने पर अर्थ आवर को प्रमोट करती आ रही है। इसकी का नतीजा है कि बीएसईएस के कूल आइडिया मुहिम में कई उपभोक्ताओं ने हर महीने अर्थ आवर मनाने का सुझाव दिया है।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीएसईएस अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।